BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Presentation of Eighth Report

Pandit Thakur Das Bhargava (Hissar): Sir, I beg to present the Eighth Report of the Business Advisory Committee.

RESOLUTION RE. NATIONALISATION OF SUGAR INDUSTRY

श्री खुशवक्त राय (खेरी) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्रस्ताव इस प्रकार से है :

> "यह सदन् सरकार से सिफ़ारिश करता है कि शक्कर के कारखानों का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाय ।"

इस का अंग्रेजी अनुवाद भी हुआ है उस को भी मैं पढ़ देना चाहता हूं :

> "This House recommends to the Government that the sugar industry be nationalised."

श्रीमान्, आप देखेंगे कि मेरा प्रस्ताव बहुत छोटा है । उस में बहुत ही कम शब्द हैं परन्तु उस का प्रभाव बहुत बड़ा है । हमारे इस देश में लगभग १०७ मिलें काम करती हैं और हमारे देश में लगभग एक करोड़ काश्तकार ऐसे हैं जो गन्ना पैदा करते हैं । उत्तर प्रदेश जहां से मैं आता हूं वहां पर अधिकतर देहातों में गन्ने की काश्त होती है । जैसे मैं ने कहा कि मेरा प्रस्ताव तो छोटा है मगर उस का प्रभाव बड़ा है और वह प्रभाव यह है कि यह जो हमारे काश्तकार हैं गन्ने के काश्तकार हैं, उन की जो मुसीबतें हैं, अगर राष्ट्रीयकरण कर लिया जाए तो वे दूर हो जायेंगी ।

श्रीमान्, मैं उत्तर प्रदेश के जिस जिले खेरी से आता हूं उस में तीन चीनी की मिलें हैं जिन का कि गन्ने के काश्तकारों से काम पड़ता है ।

हमारे यहां गन्ने के काश्तकार इतने परेशान हैं कि उन्हों ने पिछले आम चुनावों में कांग्रेस के किसी भी उम्मीदवार को न पार्लियामेंटरी सीट के लिये और न ही विधान सभा की सीट के लिये, कामयाब बनाया है । कांग्रेस की वहां पर असफलता का एक कारण था और वह यह कि काश्तकार जो लोग हैं वे वहां की गन्ने की मिलों से इतने परेशान हैं कि वे उन से त्राहि त्राहि कर रहे हैं ।

मैं जानता हूं कि माननीय मंत्री जी इस प्रस्ताव का उत्तर देते समय यह कहेंगे कि सरकार की जो औद्योगिक नीति है वह इस प्रस्ताव के खिलाफ है, वह इस प्रस्ताव के हक में नहीं जाती है । लेकिन मैं अपने माननीय मंत्री जी को यह बतलाना चाहता हूं कि उन की ही जो संस्था है और जिस के बल पर वह यहां बैठे हुए हैं, उस की नीति वही है जिस का प्रतिपादन इस प्रस्ताव में किया गया है । वह नीति यह है कि उत्पादन के जितने भी साधन हैं उन सब की मिलकियत समाज के हाथ में होनी चाहिये ।

श्रीमान्, मैं आप की आज्ञा से कांग्रेस के उस प्रस्ताव को पढ़ कर सुनाना चाहता हूं जोकि कांग्रेस ने पास किया था । उस ने कहा था :—

> "योजना इस तरह बनाई जानी चाहिये कि एक ऐसी समाजवादी ढंग की व्यवस्था कायम हो सके कि जिस के उत्पादन के खास जरिये समाज की मिलकियत हो या समाज के काबू में हों और उत्पादन की रफ्तार बढ़ी हुई हों और राष्ट्र की दौलत का वाजिब बटवारा हो ।"

आप देखेंगे कि इस में साफ तौर से कहा गया है कि जो भी उत्पादन के साधन हों वे समाज के अधिकार में होने चाहियें । अंग्रेजी में उस का ट्रांसलेशन यह किया गया है :—

> "where the principal means of production are under social ownership"